पाँच शहरों को मिलेगी यूनेस्को की मान्यता

चर्चा में क्यों

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की **सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने** और उसे **विश्व स्तर पर पहचान दिलाने** के उद्देश्य से **5 शहरों को अमूर्त विरासत और रचनात्मक शहरों के रूप में यूनेस्को की मान्यता** हेतु आवेदन करेगी।

मुख्य बिंदु

- **चयनित सांस्कृतिक शहर (तत्त्व)**
  - कन्नौज का इत्र
  - ब्रज की होली
  - वाराणसी की गंगा आरती
  - फिरोज़ाबाद की कांच कला
  - आज़मगढ़ (निजामाबाद) की ब्लैक पॉटरी
- **प्रयास:**
  - इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार **बुंदेलखंड की लोककला एवं लोक साहित्य को भी** मानवता की **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** में शामिल कराने के लिये प्रयास कर रही है।
    - **कन्नौज के इत्र** के लिये **देग-भापका विधि**, ऐतिहासिक महत्त्व, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और पारंपरिक प्रक्रियाओं पर शोध किया जाएगा।
    - **वाराणसी की गंगा आरती** के ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और अनुष्ठानिक महत्त्व पर अध्ययन किया जाएगा।
    - **ब्रज की होली** विशेष रूप से **लट्ठमार होली** को प्रमुखता दी जाएगी।
    - **बुंदेलखंड के आल्हा गायन व राई नृत्य**, आज़मगढ़ की **ब्लैक पॉटरी** और फिरोज़ाबाद के **कांच उद्योग** पर शोध कर दस्तावेज तैयार किये जाएंगे।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - वर्ष **2017 में** केंद्र व प्रदेश सरकार के प्रयासों से **कुंभ को पहली बार** यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी गई थी।
- **प्रभाव और संभावित लाभ:**
  - **वैश्विक मान्यता** मिलने से इन सांस्कृतिक विरासतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार मिलेगा।
  - **पर्यटन को बढ़ावा** मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।
  - **स्थानीय कारीगरों, कलाकारों और परंपरागत उद्योगों को संरक्षण** मिलेगा, जिससे उनकी आजीविका को बल मिलेगा।
  - **संस्कृति और धरोहर के संरक्षण को बढ़ावा** मिलेगा, जिससे ये परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहेंगी।

यूनेस्को

- संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल ने यूनेस्को की सदस्यता वर्ष 2019 में औपचारिक रूप से छोड़ दी थी।
- संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (UNESCO), **संयुक्त राष्ट्र (United Nation- UN)** की एक विशेष एजेंसी है। यह संगठन शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शांति स्थापित करने का प्रयास करता है।
- यूनेस्को के कार्यक्रम एजेंडा 2030 में परिभाषित **सतत् विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals)** की प्राप्ति में योगदान करते हैं, जिसे 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया गया था।
- इसके 193 सदस्य देश और 11 संबद्ध सदस्य हैं। **भारत वर्ष 1946 में यूनेस्को में शामिल** हुआ था।
  - इसका **मुख्यालय पेरिस** (फ्राँस) में है।

//

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH)

यूनेस्को की ICH सूची विभिन्न सांस्कृतिक प्रथाओं और परंपराओं को मान्यता देती है, जो पीढ़ियों से चली आ रही हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

- पारंपरिक समकालीन और रहन-सहन
- साहित्य -विविधता को मान्यता और सम्मान देता है
- प्रतिनिधि- पारंपरिक प्रथाओं को दर्शाता है
- समुदाय आधारित

ICH के अंतर्गत दो प्रकार की सूची

- यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर प्रतिष्ठित प्रतिनिधि सूची
- तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता वाले अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची

यूनेस्को के 2003 कन्वेंशन के तहत ICH के 5 डोमेन :

- मौखिक परंपराएँ और अभिव्यक्तियाँ (भाषा सहित);
- स्थापत्य प्रदर्शन;
- सामाजिक प्रथाएँ, अनुष्ठान और उत्सव कार्यक्रम;
- प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान और अभ्यास;
- पारंपरिक शिल्प कौशल

क्र.सं.	भारत का अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आई.सी.एच.)	वर्ष	विवरण
1	गुजरात का गरबा	2023	नवरात्रि के दौरान प्रस्तुत किया जाने वाला गुजरात का पारंपरिक नृत्य
2	कोलकाता में दुर्गा पूजा	2021	भव्य हिंदू त्यौहार जिसमें विस्तृत अनुष्ठान और दुर्गा की कलात्मक प्रदर्शनियाँ शामिल हैं
3	कुंभ मेला	2017	हिंदू तीर्थयात्रा और त्यौहार → पृथ्वी पर सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम
4	नवरोज़	2016	पारसी नव वर्ष
5	योग	2016	मन, शरीर और आत्मा को एकजुट करने वाली प्राचीन भारतीय प्रथा
6	पंजाब के जंडियाला गुरु के ठठेरों में पीतल और ताँबे से बर्तन बनाने की पारंपरिक कला	2014	ठठेरा समुदाय की पीढ़ियों से चली आ रही मौखिक परंपरा
7	संकीर्तन	2013	गायन, ढोल और नृत्य के साथ कृष्ण की कथा का वाचन क्षेत्र → मणिपुर में
8	लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार	2012	लद्दाख के मठों में पवित्र बौद्ध पाठ
9	मुडीयेट	2010	देवी काली और राक्षस दारिका के बीच युद्ध का नृत्य क्षेत्र→ केरल
10	राजस्थान के कालबेलिया लोकगीत और नृत्य	2010	लयबद्धता के लिये जाना जाता है
11	छऊ नृत्य	2010	पूर्वी भारत की लोक परंपराओं का सम्मिश्रण करने वाला जनजातीय मार्शल आर्ट नृत्य
12	रम्माण	2009	गढ़वाल हिमालय का धार्मिक उत्सव और अनुष्ठान रंगमंच
13	रामलीला	2008	रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन
14	वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा	2008	वैदिक मंत्रों को सटीकता के साथ संरक्षित करने वाली मौखिक परंपरा
15	कूडियाट्टम, साँस्कृतिक रंगमंच	2008	प्राचीन रंगमंच→अनुष्ठान और नाट्यकला का सम्मिश्रण क्षेत्र केरल

भारत के ICH के ये सभी तत्व यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/five-cities-will-get-unesco-recognition